सरदार गुरूचरण सिंह तोहड़ा (पंजाब)**:** चैयरमेन साहब, जैसे कि मेरे से पहले कहा गया कि जब नए राज्य बनते हैं तो लोगों की इच्छा का ध्यान इस बात के लिए रखा जाता है कि वहां के बहुत लोग चाहते हैं कि उन का राज्य बने क्योंकि उन की अपनी सभ्यता है, अपनी भाषा है और इलाका भी ऊंचाई का है । जैसे यह उत्तरांचल बन रहा है, इस से जाहिर है कि पहाड़ी राज्य बन रहा है और इस की भाषा भी पहाड़ी है भले ही उस की लिपि हिंदी हो, लेकिन उन की अपनी भाषा है, अपनी सभ्यता है । लेकिन जो एक इलाका पहाड़ी है, उन पहाड़ों को छोड़कर नीचे आ कर बाकी लोगों की इच्छाओं के उलट बात की जा रही है जिसकी कि हमारा विधान आज्ञा नहीं देता, क्योंकि विधान लोगों के लिए है, पॉलिटिशियनों के लिए नहीं है और पोलिटिशियन्स अपने मतलब के लिए इकट्ठे भी हो जोते हैं, लड़ते भी रहते हैं । हमारे खिलाफ यहां सब इकट्ठे हैं, दो-तीन पार्टियां हमारा साथ दे रही है, लेकिन मेजर पार्टी कांग्रेस और बी0जे0पी0, ये आल इंडिया पार्टियां हमारे खिलाफ खड़ी हुई हैं । वहां हमने एक कमेटी बनाई और उस कमेटी में प्रधान मंत्री जी थे, गृह मंत्री जी थे, रक्षा मंत्री जी थे, हमारे बादल साहब थे, बरनाला साहब थे और मैं था । जब इनके सामने वहां के लोगों की भावनाएं प्रकट की गईं, उनकी इच्छाएं बताई गईं तो इन्होंने कहा कि हमें पता नहीं था कि लोगों के ये जज्बात हैं । हमने कहा कि आप पता कर लीजिए, हमारे कहने की बात नहीं है, लोग नहीं जाना चाहते उसमें । जो-जो राज्य बने हैं उनमें तीन बातें रखी गई हैं – एक सभ्यता हो, बोली एक हो और इलाका ऊंचाई का और ढलाई का उसमें शामिल न हो । तो एक कमेटी बनी और उस कमेटी में आप जानते हैं कि वह जार्ज कमेटी के नाम से मशहूर हुई । आज कहते हैं कि कोई कमेटी ही नहीं बनी, इस बात के लिए वह बनाई ही नहीं गई थी, लेकिन दूसरे हाऊस में जार्ज साहब आए, उनको स्पेशल बुलाया गया ऐतराज करके कि आप आएं और बताएं कि कमेटी की क्या रिपोर्ट है । उन्होंने एकतरफा रिपोर्ट दे दी कि दोनों मुख्य मंत्री सहमत हैं और इसलिए मैंने कह दिया कि उधमसिंह नगर उधर जाए, लेकिन वास्तव में वह सच नहीं था और दूसरी प्रोसिडिंग भी यह बता रही है । पहली प्रोसिडिंग भी हमारे पास है, दूसरी प्रोसिडिंग भी हमारे पास है, दूसरी में कहा गया है कि दोनों मुख्य मंत्री सहमत तो हो नहीं सकते थे, इसलिए इसको उत्तरांचल में दे देना चाहिए । हम इस देश की आज़ादी से लेकर आज तक इंसाफ मांगते चले आए हैं लेकिन हमें यहां इंसाफ नहीं मिल रहा । उधमसिंह नगर कोई देश से बाहर तो जाएगा नहीं । मेरा कहना है कि वह उनके साथ रहना चाहिए जिनके साथ उसकी भावनाएं मिलती हैं । लोगों की इच्छा की हमें कद्र करनी चाहिए । लोकराज लोगों के लिए है न कि हमारे पोलिटिशियंस के लिए । जहां भी हम देखते हैं पोलिटिशियंस हमारे ऊपर मार करता है और हमें आज भी मार पड़ रही है । पंजाब के हित कही भी देखने की कोशिश नहीं की जाती और उसने अनदेखी की जाती है इसलिए मैं चाहता हूं कि खुद गृह मंत्री जी ही इस बारे में दो अमेंडमेंट्स दे दें और इन दोनों डिस्ट्रिक्ट्स को – उधमसिंह नगर और हरिद्वार – बाहर रखकर उत्तरांचल बनाएं । हमें उत्तरांचल बनने की खुशी है, अतिखुशी है, लेकिन दुख इस बात का है कि गलत तौर से वह बन रहा है, गलत तरीके अपनाए जा रहे हैं ।

MR. CHAIRMAN: Now the hon. Minister will move the motion.

THE UTTAR PRADESH REORGANISATION BILL, 2000

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L. K. ADVANI): Mr. Chairman, Sir, I beg to move:

That the Uttar Pradesh Reorganisation Bill 2000, to provide for the reorganisation of the existing State of Uttar Pradesh and for matters connected therewith, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration.

At this point, I do not wish to say anything more except to say that a long-standing desire of that region is being implemented today. For over 75 lakh people residing in that region, it is a day of celebration, it is a day of rejoicing, though I would concede that the creation of a State by itself does not guarantee development, does not guarantee progress. It opens possibilities for exploiting the fullest potential of that region and I am sure that the new State and the Central Government together would ensure that the purpose for which they had dreamt this dream for a long time would be fulfilled. That is all. I commend this Bill to the House and I hope that we would be able to pass it unanimously.

MR. CHAIRMAN: Now, there are two amendments, by Prof. Ram Gopal Yadav and Shri Balwant Singh Ramoowalia, for reference of the Bill to a Select Committee of the Rajya Sabha.

PROF. RAM GOPAL YADAV (Uttar Pradesh): Sir, I move:

"That the Bill to provide for the reorganisation of the existing State of Uttar Pradesh and for matters connected therewith, be referred to a Select Committee of the Rajya Sabha consisting of the following Members
namely :-

1. Dr. Manmohan Singh
2. Shri S. Ramachandran Pillai
3. Shri Janeshwar Mishra
4. Shri Ranjan Prasad Yadav
5. Shri S.R. Bommai
6. Shri Sangh Priya Gautam
7. Shri Kuldip Nayyar
8. Shri Rajeev Shukla
9. Shri S. Viduthalai Virumbi
10. Shri Satish Pradhan and
11. Dr. Alladi P. Rajkumar

With instructions to report by the first day of the next Session."

SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALIA (Uttar Pradesh): Sir, I move:

"That the Bill to provide for the reorganisation of the existing State of Uttar Pradesh and for matters connected therewith, be referred to a Select Committee of the Rajya Sabha consisting of the following Members, namely: -

1. Dr. Raja Ramanna
2. Prof. Ram Gopal Yadav
3. Shri Amar Singh
4. Shri Ranjan Prasad Yadav
5. Shri S. Ramachandran Pillai
6. Shri Nana Deshmukh
7. Shri Shankar Roy Chowdhury
8. Dr. Manmohan Singh
9. Shri Kapil Sibal
10. Shri Kartar Singh Duggal
11. Shri Kuldip Nayyar
12. Shri Vijay J. Darda
13. Shrimati Jayanthi Natarajan
14. Shri Sharief-Ud-Din Shariq and
15. Shri R. Margabandu

With instructions to report by the first day of the next Session.

The questions were proposed.

श्री लछमन सिंह (हरियाणा)**:** महोदय, आपकी मार्फत मैं होम मिनिस्टर साहब से कुछ बातें अर्ज करना चाहता हूं । महोदय, पहले भी स्टेट्स बनी हैं, तकसीम भी हूई हैं लेकिन सिस्टम में फर्क था । पहले बाऊंड्री कमीशन बिठाए गए, वे जाकर लोगों से मिले औऱ उन्होंने उनके ख्यालात पता किए कि वे क्या चाहते है । चाहे उनकी सारी सिफारिशें नहीं मानी गईं लेकिन फिर भी लोगों को मैका मिला कि वे अपने-अपने ख्यालात का इज़हार करें । चेयरमैंन साहब मैंने इस बिल को गौर से पढ़ा है । तोहड़ा साहब ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी, बी.जे.पी. का साथ दे रही है,

यह बिल्कुल गलत बात है। हम बी.जे.पी. का साथ नहीं दे रहे हैं। उनकी पार्टी एन.डी.ए. का हिस्सा है, हम उनका हिस्सा नहीं हैं। हम तो लोगों का साथ दे रहे हैं क्योंकि वहां के रहने वाले लोगों की इच्छा है, तमन्ना है कि पहाड़ में रहने वाले लोगों का एक अलग सूबा बने। हम तो उन लोगों की आशाओं को पूरा होने में मदद कर रहे हैं।

सरदार गुरूचरण सिंह तोहड़ा (पंजाब)**:** यह तो मैं भी चाहता हूं कि उनकी इच्छाएं पूरी होनी चाहिए।

श्री लछमन सिंहः आपने यह कह दिया कि हम बी.जे.पी. के साथ हैं, हम बी.जे.पी. के साथ नहीं हैं। हमारा उनसे कोई ताल्लुक नहीं है। हमारी डिफरेंट पोलिटिकल पार्टी है।

श्री बलवन्त सिंह रामुवालियाः ऊधमसिंह नगर के लोग क्या लोग नहीं हैं? देहरादून के लोग, लोग हैं और चमोली के लोग, लोग हैं तो क्या ऊधमसिंह नगर के लोग, लोग नहीं हैं? आप उनका साथ दीजिए। उनका साथ क्यों नहीं देते?

श्री लछमन सिंहः आपने मुझे सुने बगैर कैसे राय दे दी? सभापति महोदय, मैं आपकी मार्फत अर्ज करना चाहूंगा कि अगर इंटररप्शन न हों तो बेहतर होगा। पहले मेरी सारी बात सुन लीजिए, फिर बोलिएगा।

श्री बलवन्त सिंह रामुवालियाः आप ऊधमसिंह नगर के मामले में.....(**व्यवधान**)... YOU are a "B" team of the BJP.

श्री लछमन सिंहः मैं जो चाहूंगा वह बोलुंगा....(**व्यवधान**)... You cannot be a tutor to me. चेयरमैन साहब, मैं आपकी मारफत होम मिनिस्टर साहब से यह कहना चाहूंगा कि आज ऊधमसिंह नगर के लोगों के मन में बड़ी दहशत है। इसमें कोई शक नहीं है कि उन लोगों ने बहुत मेहनत की है। महोदय, मैंने 25 साल पहले वहां के लोगों को देखा था। वहां पर बी.ए. में पढ़ने वाली लड़कियां ट्रैक्टर चलाती थीं, औरतें ट्रैक्टर चलाती थीं। उन्होंने बहुत मेहनत करके उस बियाबान और उजड़े हुए जंगल को बसाया है। उन्होंने इस पर बड़ी मेहनत की है। आज उनके अंदर जो डर है, वह यह है कि इस बिल में कहीं भी आपने उन्हें यह विश्वास नहीं दिलाया है कि उनके ऊपर लैंड सीलिंग ऐक्ट नहीं लगाया जाएगा। महोदय, हिमाचल का लैंड सीलिंग ऐक्ट मुख्तलिफ है, पंजाब का मुख्तलिफ है, हरियाणा का मुख्तलिफ है, इस तरह हर स्टेट का लैंड सीलिंग ऐक्ट अलग-अलग है। इस बिल में कहीं भी ऐसा प्रपोजल नहीं है कि उनके ऊपर वही लैंड सीलिंग ऐक्ट लगेगा जो अभी उत्तर प्रदेश में लागू है। क्या गारंटी है इस चीज की कि जब यह उत्तरांचल हो जाएगा, यह तो हो ही जाएगा, बन ही गया है, आज ही दो घंटे बाद यह बिल पास हो जाएगा, क्या गारंटी है इस चीज की कि उनके ऊपर वही लैंड सीलिंग ऐक्ट लगाया जाएगा? मैं होम मिनिस्टर साहब से दरख्वास्त करूंगा कि वे इस हाऊस को ऐश्योर करें कि......(**व्यवधान**)...

श्री मनोहर कान्त ध्यानी (उत्तर प्रदेश)**:** धारा 86 में इसकी व्यवस्था है।

श्री लछमन सिंहः आपके बजाय होम मिनिस्टर साहब ज्यादा पावरफुल हैं, वे जबाव देंगे इसका। आपको कोई पावर नहीं है जवाब देने की।

1.00 P.M.

महोदय, मैं होम मिनिस्टर साहब से दरख्वास्त करुंगा कि वे अपने जवाब में लोगों को यह ऐशयोरेंस दें कि उनके साथ बेइंसाफी नहीं होगी और उत्तर प्रदेश के अंदर जो लैंड सीलिंग ऐक्ट है, उनकी जमीनों के मामले में वही लागू होगा और उनकी जो परंपराएं है, उन पर कोई डिस्टरबेंस नही होगी और रीजनल आधार पर कोई डिस्क्रिमिनेश नहीं होगा । आपने 75 लाख लोगों की बात कही है । ठीक है, पहाड़ के लोगों को खुशी होगी, वहां शहनाइयां बजेंगी लेकिन ऊधमसिंह नगर के लोग उदास होंगे ।

उनको बहुत घबराहट भी होगी इसमें कोई शक की बात नहीं है । लेकिन होम मिनिस्टर साहब उनकी घबराहट को दूर कर सकते हैं । यह बात साफ करेंगे, स्पष्ट करेंगे, वैसे तो अखबारों में हमने पढ़ा है कि उन्होंने वायदा किया था पंजाब के बादल सिंह जी से कि हम ऊधमसिंह नगर को इसमें शामिल नहीं करेंगे, मैंने खुद अखबारों में पढ़ा है, फिर क्या हुआ क्या नहीं हुआ हमें इसका पता नहीं । क्योंकि अब यह इसमें शामिल हो गया है । चेयरमैन सर, अब हम कुछ भी कहें यह तो ऐक्ट बनेगा, जैसा होगा हो ही गया । इस पर यहां बहस हो जाएगी और ऐक्ट पास हो जाएगा औऱ ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार दोनों उधर चले जाएंगे । अब वहां से निकलने की तो कोई बात नहीं है । अब केवल मैं होम मिनिस्टर साहब से इतना ही विश्वास चाहूंगा कि वहां लोगों में जो दहशत है कि उनकी जमीनें वहां से छीनकर और किसी वजह से लेकर बिना वजह, वहां के लोगों को नहीं दी जाएगी, यह न हो, एक तो यह बहुत जरुरी है । जहां तक केपिटल बनाने की बात है, इसके बारे में अभी कुछ नहीं बताया है । लेकिन वहां पहाड़ों में जलजले आते हैं, अर्थक्वेक आते हैं ऐसी बहुत जगह हैं जहां पर ऐसे पहाड़ हैं । केपिटल में तो पैसा भारत सरकार का लगेगा क्योंकि उनके पास तो पैसा नहीं है । तो मैं यह भी होम मिनिस्टर साहब से अर्ज करना चाहूंगा कि केपिटल के लिए ऐसी जगह सलेक्ट करें जो ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार के लोगों को नजदीक हो । अगर पाहड़ों में अंदर चले जाएंगे तो खतरा है । अगर ऊंची-ऊंची बिल्डिंगें बनेंगी तो वहां पर बहुत खतरा होगा ।

महोदय, एक चीज के लिए तो मैं बी.जे.पी. के लोगों को मुबारकबाद देना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा सूबा था । इन्होंने बहुत हिम्मत की है कि उत्तर प्रदेश को तकसीम कर दिया है । अब उन्होंने यह एक काम शुरु किया है । तो हमारे यहां भी झगड़ा है, पंजाब कुछ कहता है, हरियाणा कुछ कहता है । तो मैं होम मिनिस्टर साहब को एक सुझाव देना चाहूंगा कि अब जब आपने यू.पी. को तकसीम ही किया है तो जो हरियाणा के साथ 8-10 जिले लगते हैं- जैसे सहारनपुर है, मेरठ है, मुजफ्फरनगर है, हापुड़ है और गाजियाबद है, इनको हरियाणा में मिला दो । होम मिनिस्टर साहब, वेस्टर्न यू.पी. में एक बहुत बड़ी ऐजिटेशन शुरू होने वाली है कि हमें भी एक अलग सूबा चाहिए, तो आपका तो पीछा छूट जाएगा । दिल्ली को भी आप हरियाणा में मिलाइए और दिल्ली को इसकी केपिटल बना दीजिए औऱ चंडीगढ़ टोहरा साहब को दे दीजिए, हमें कोई ऐतराज नहीं है, बड़े शौक से आप इन्हें चंडीगढ़ दे दें । इनका भी काम हो जाएगा औऱ आपकी दिक्कत भी दूर हो जाएगी । दिल्ली के लोग भी स्टेट हुड चाहते हैं । वह भी चाहते हैं कि हमारी स्टेट हो और भले ही आप अपना मुख्य मंत्री बना दें, आपकी पार्टी का हरियाणा का मुख्य मंत्री हो, चौटाला साहब को ही बना दें, कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है, आपका ही राज्य होगा, आप ही कर लीजिए और ऐसा करने से आपका पीछा छूट जाएगा, वरना यह मसला अभी खत्म हुआ और अगले महीने फिर वेस्टर्न यू.पी. में आवाज उठने लग जाएगी कि हमारा भी एक

सूबा बनाइए। यह बात तो होने बाली है। तो बजाए इसके कि इंतजार करें इससे आप पीछा छुड़ा लीजिए। यह यहां तो पास हो ही जाएगा, लोक सभा में भी पास हो जाएगा। अगर आप यह करें तो बहुत पुण्य का काम होगा, नेक काम होगा, वरना ये सूबे के झगड़े तो हिन्दुस्तान में खत्म नहीं हो सकते, क्योंकि अब तो यह हिन्दुस्तान में शुरू हो गए हैं। छोटे स्टेट में कहां डवलपमेंट होगा? हर स्टेट पैसा मांगती है, हमें पैसा चाहिए, मुझे पैसे की दरकार है। अब उत्तरांचल बन जाएगा, तो पैसा कहां से आएगा? इसमें तो कांग्रेस पार्टी की सपोर्ट है, कांग्रेस के लोग तो चाहते थे। पता नहीं इसमें उधमसिंह नगर और हरिद्वार किस बेस में आया। शायद तीर्थस्थान की वजह से यह दोनों इसमें शामिल किए गए होंगे, क्योंकि पहाड़ों में ज्यादा तीर्थस्थान हैं। होम मिनिस्टर साहब से मैं अर्ज करूंगा कि जो लैंड सीलिंग की बात है, बार-बार इसलिए कह रहा हूं कि वहां लोगों को शक है, इसलिए लोगों को विश्वास दिलादें कि जो जमीन उन्होंने अपने खून पसीने से पैदा की है वह छीनी नहीं जाएगी। इन्ही शब्दों के साथ मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

MR. CHAIRMAN: The next speaker is Shri Manohar Kant Dhyani; but it is 10' clock now. Should we sit through the lunch?

SOME HON. MEMBERS: No, Sir.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : We can dispense with the lunch-break because there are two Bills which have to be passed. One is the Uttranchal Bill and the other is the Bihar Reorganisation Bill. We have hitherto cooperated with you. Those Members who want to have lunch, let them go and have it, but the House should continue.enternypfrbns)

SHRI SATISH PRADHAN (Maharashtra): Sir, the House should continue. Those Members who want to have lunch, can go and take their food. There is no problem. But others will go ahead with their speeches. *(Interruptions)*

श्री मोहम्मद सलीम (पशिचमी बंगाल)**:** भुखे पेट भजन नहीं होता है, आप स्टेट बना रहे हैं।.....(**व्यवधान**)...

श्री रामदेव भंडारी (बिहार)**:** सर, दोनों बिल महत्वपूर्ण हैं। बिल तो पास हो ही जायेंगे।....(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I think, yesterday, we had decided that we will pass these Bills.(Interruptions)

श्री बलवन्त सिंह रामुवालियाः सर, आप एक घंटे के बजाय 40 मिनट का लंच कर दीजिए।....(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal): No, Sir. A concrete discussion took place in the morning that we cannot pass these two legislations. We can take up only the Uttranchal Bill. That was the understanding reached on the basis of which...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Mr. Nilotpal Basu, yesterday, we had discussed, and Mr. Pranab Mukherjee and everybody said that we will pass both the legislations. All parties will fully cooperate...*Interruptions)*

SHRI NILOTPAL BASU: No; Sir. *(Interruptions)*

SHRI MD. SALIM: Yesterday we had discussed the Chattisgarh Bill., *interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Now, the present question is, should we sit during the lunch period. I think we can dispense with the lunch-break. Those Members who want to have lunch, can go, and the discussion will continue, *interruptions)*

AN HON. MEMBER: Sir, please adjourn for the *lunch..interruptions)*

SHRI MD. SALIM: How can it be, Sir) We are doing it every day. *interruptions)* It cannot be like that. *(Interruptions)*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: An understanding was reached that, definitely, we will pass one Bill and start the discussion on the second Bill. In case, it is necessary...*interruptions)* We want to see that the two Bills are passed today, if possible. *(Interruptions)*

SHRI NILOTPAL BASU: It was never decided like this. *interruptions)*

AN HON. MEMBER: Sir, lunch is not the criterion. *(Interruptions)*

SHRI NILOTPAL BASU: If somebody is saying.. *..intenvptions)* but there is no assurance on behalf of any party *...intenvptions)*

MR. CHAIRMAN: Basically, the question is: shall we sit through the lunch hour?

SHRI VIDUTHALAI VIRUMBI: Yes. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Okay, we will sit through the lunch hour. The next speaker is Mr. Dhyani. But before Mr. Dhyani speaks, I have to make an Obituary Reference; then the discussion will start.

OBITUARY REFERENCE

MR. CHAIRMAN: I refer with profound sorrow to the passing away of Shri S. Nijalingappa, an eminent Gandhian, on the 8th August, 2000 at the age of 98.